आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक-04 पेज 6, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
06 जुलाई 2025 रविवार

आज का मौसम
25 अधिकतम
18 न्यूनतम

Page-5

भारी बारिश से नर्मदा में जलस्तर बढा, बरगी के गेट खुलेंगे

भोपाल/ नई दिल्ली

मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से बाढ़ के हालात हैं। तेज बारिश के कारण मंडला जिले में नर्मदा नदी उफान पर है। नरसिंहपुर को होशंगाबाद से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे पर मौजूद पुल ढह गया। पूर्वी हिस्से जैसे- जबलपुर, सागर, शहडोल और रीवा संभाग में सबसे ज्यादा खतरा है। शिवपुरी, शहडोल, नरसिंहपुर, श्योपुर में कई गांव जलमग्न हैं। नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर बही तो उमरिया के जौहिला डैम के गेट खोलने पड़े। आज 21 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। दोपहर बाद जबलपुर के बरगी बांध के गेट खोले जाएंगे।

मप्र में पुल ढहा,झारखंड में खदान धंसी हिमाचल मे पांच पुल बहे

5000 क्यूमेक जल निकासी होगी, जिससे नर्मदा के घाटों पर 4 से 5 फीट पानी की बढ़ोतरी हो सकती है। प्रदेश में बारिश के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हैं। इनमें दो ट्रफ और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम है। इस वजह से अगले चार दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। यह सीजन का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम है।

देशभरमें मानसून की गरज चमक जारी है और तबाही के मंजर सामने आ रहे हैं। झारखंड में तेज बारिश से रामगढ़ की महुआ टांगरी में सुबह एक अवैध कोयला खदान धंस गई। घटना में 4 लोगों की मौत हो गई और 4 घायल हो गए। हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश से पांच पुल बह गये। राज्य में 20 जून को मानसून की एंट्री के बाद से अब तक बाढ़-लैंडस्लाइड की घटनाओं में 75 लोगों की मौत हो चुकी है। बादल फटने की घटनाओं में सबसे ज्यादा 14 मौतें मंडी जिले में हुई हैं। यहां 31 लोग अभी तक लापता हैं। राज्य में आज भी तेज बारिश का दौर है।

उधर उप्र के मिर्जापुर में लगातार बारिश से पहाड़ दरक गया। रीवा नेशनल हाईवे पर एक किमी के दायरे में 6 जगहों पर लैंडस्लाइड हुई। वाराणसी में मणिकर्णिका घाट गंगा में आधा डूबा है। अंतिम संस्कार छतों पर किया जा रहा है। जबकि बिहार के 18 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट है।

टेक्सास बना तालाब

उधर अमेरिका के टेक्सास काउंटी में भारी बारिश की वजह से आई फ्लैश फ्लड की वजह से हाहाकार मचा दिया है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 50 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं दर्जनों घायल व कई लापता हैं। बड़े स्तर पर प्रशासन द्वारा लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है. अधिकारियों द्वारा अभी लापता लोगों की संख्या जारी नहीं की गई है।

जापान में आज महाप्रलय का दिन

जापान की मंगा कलाकार रियो तात्सुकी की भविष्यवाणी को लेकर जापान में लोग सहमें हुए हैं, उन्होंने जुलाई में आज के दिन महाआपदा की बात पहले ही कहीं थी। 1999 में लिखी गई इस भविष्यवाणी में आज ही के दिन का जिक्र है। जापान में पिछले कुछ दिनों से जिस तरह की घटनाएं हुई हैं, उसके बाद लोगों में दहशत बनी हुई है। जापान के द्वीपों पर लगातार आ रहे भूकंप और हाल ही में हुए बड़े ज्वालामुखी विस्फोट ने इस आशंका को बढ़ा दिया है। बाबा वेंगा नाम से मशहूर रियो तात्सुकी ने जापान में भूकंप और ज्वालामुखी आने की बात कही है, जो बड़ी सुनामी का कारण बनेगी। उधर सरकार ने भी कल ही मुख्य द्वीपों पर भूकंप की चेतावनी जारी की है लेकिन भविष्यवाणियों पर भरोसे के बजाए सतर्क रहने को कहा है।

वैचारिक सत्र : श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जंयती

एक देश एक विधान पर महामंथन

भोपाल दोपहर मेट्रो

आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जंयती पर राजधानी में रवीन्द्र भवन में 'एक देश एक विधान राष्ट्रीय' कार्यक्रम हो रहा है। इससे पहले सुबह मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस कार्यक्रम में एक देश दो विधान, एक देश दो प्रधान नहीं चलेगा÷ विषय पर वैचारिक सत्र होगा। जिसमें मुख्यमंत्री व्याख्यान देंगे। इसके अलावा एक लघु फिल्म का भी प्रसारण किया जाएगा, जो स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रवादी विचारधारा को उजागर करेगा। इससे पहले आज सीएम ने वन अधिकार पेसा अधिनियम अंतर्गत गठित टास्क फोर्स और प्रस्तावित वन विज्ञान केंद्र संबंधी बैठक ली।

उधर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी दोपहर से कांग्रेस दफ्तर में विचार विभाग के साथ संवाद कर रहे हैं। दोपहर में प्रशिक्षण टीम के साथ संवाद व मीडिया और सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने समत्व भवन में वनाधिकार एवं पेसा अधिनियम के अंतर्गत गठित टास्क फोर्स और प्रस्तावित वन विज्ञान केंद्र के संबंध में की।

अफसरों ने अमानवीयता की, दंडित किया जाएगा: शिवराज

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के तेवर इन दिनों चर्चा में हैं। उन्होंने देवास जिले के खिवनी खुर्द गांव में उन आदिवासी परिवारों से मुलाकात की, जिनके मकान वन विभाग ने 23 जून को अतिक्रमण बताकर तोड़ दिए थे। शिवराज सिंह एक पीड़ित के घर करीब 15 मिनट रुके। यहां वहां उन्होंने खाना खाया। वे गांव में भी घूमे। उन्होंने बरसाती के नीचे ग्रामीणों को करीब 20 मिनट तक संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा- मैं आपका दर्द बांटने आया हूं। सरकार आदिवासियों और गरीबों के साथ है। किसी भी पीड़ित के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। शिवराज सिंह ने कहा कि कुछ अधिकारियों ने अमानवीय कार्य किया है। उन्हें दंडित किया जाएगा। शिवराज ने कहा कि पुराने कब्जाधारियों को पट्टे दिए जाएंगे।

पीएम मोदी का ब्राजील में 'सिंदूर प्रस्तुति' से स्वागत

नई दिल्ली एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील पहुंच गए हैं। इस दौरान वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचने पर भारतीय प्रवासियों ने पीएम के सम्मान में ऑपरेशन सिंदूर की खास प्रस्तुति दी। मोदी का पारंपरिक नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और देशभक्ति से भरे चित्रों से स्वागत किया गया। लोगों ने हाथों में तिरंगा लिए प्रधानमंत्री का स्वागत किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रस्तुति भारत की ओर से पाकिस्तान स्थित आतंकियों के खिलाफ चलाए जा रहे एक निर्णायक अभियान पर आधारित रही।

आखिरकार मस्क ने नई पार्टी का ऐलान किया

वाशिंगटन। अमेरिका के 249वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बहुचर्चित वन बिग ब्यूटीफुल कानून लागू कर दिया तो उनके पूर्व सहयोगी और उद्योगपति एलॉन मस्क ने अमेरिका पार्टी के नाम से नई राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये पार्टी अमेरिका के लोगों को एक पार्टी सिस्टम से मुक्ति दिलाएगी। मस्क की इस घोषणा के बाद अमेरिका की राजनीति में हलचल पैदा हो गई है। मस्क ने नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा एक्स पर की है। उन्होंने सर्वेक्षण के रिजल्ट का हवाला देते हुए लिखा, आज अमेरिका पार्टी का गठन आपको आपकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए किया गया है। सर्वेक्षण में 2:1 के अनुपात में जनता ने एक नए राजनीतिक विकल्प की इच्छा जताई है।

बिहार में अपराध न्यू नार्मल, पटना क्राइम कैपिटल : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

पटना में कल बडे व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद बिहार की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है।आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में आरोप लगाया है कि नीतीश कुमार और भाजपा की गठबंधन सरकार ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। इससे पहले तेजस्वी यादव ने खेमका की हत्या पर सरकार को निशाने पर लेते हुए बिहार में जंगलराज का आरोप लगा दिया था। अब राहुल ने लिखा कि आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम है। यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। राहुल ने कहा कि अब वक्त नए बिहार का है। हर हत्या, हर लूट, हर गोली- एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का, जहां डर नहीं, तरक्की हो।

अभिनेत्री के डॉक्टर पिता को क्लीनिक में गोली मारी

जालंधर एजेंसी।

पंजाबी फिल्मों की टाप अभिनेत्रियों में शुमार तानिया के डॉक्टर पिता अनिलजीत सिंह कंबोज पर उनके क्लीनिक पर जानलेवा हमला हुआ। उन्हें मरीज बनकर क्लीनिक में आए दो युवकों ने गोलियां मारीं और भाग गए। मौजूदा समय में डॉक्टर की हालत गंभीर है। इस वारदात के बाद से एक्ट्रेस तानिया का नाम इंटरनेट पर काफी सर्च किया जा रहा है। तानिया नस एमी विर्क की ब्लॉकबस्टर फिल्म किस्मत से फिल्मों में डेब्यू किया था। तानिया को पहला लीड रोल भी एमी विर्क के साथ ही मिला। तानिया को बॉलीवुड फिल्म का भी ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया।

ब्रजभूषण के पहुंचने से फोगाट के शहर में बढ़ा तनाव-टकराव

चंडीगट एजेंसी

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह कड़ी सुरक्षा के बीच हरियाणा में पहलवान विनेश फोगाट के गृहजिले चरखी दादरी में पहुंच गए हैं। यहां बृजभूषण ने वियतनाम में अंडर-17 एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहलवान रचना परमार को सम्मानित किया। गांव बौंदकलां में यह कार्यक्रम राजपूत सभा ने रखा है लेकिन खाप पंचायतें इसका विरोध कर रही हैं। फोगाट खाप का कहना है कि बृजभूषण के विनेश फोगाट के गृह जिले चरखी दादरी में आने से आपसी भाईचारा खराब होगा। वहीं राजपूत सभा ने चेतावनी दी कि अगर असामाजिक तत्व विरोध करने पहुंचे तो इनका इलाज किया जाएगा। इससे पहले भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद चौधरी धर्मबीर और दादरी से भाजपा विधायक सुनील सांगवान बृजभूषण से पहले कार्यक्रम में पहुंचे।

ज्ञात हो कि विनेश फोगाट,साक्षी मलिक व बजरंग पूनिया ने ब्रजभूषण पर गंभीर आरोप लगाये थे और धरना तक दिया था। फोगाट खाप के सचिव कुलदीप फोगाट, प्रतिनिधि कृष्ण फोगाट, भारतीय किसान यूनियन युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद ने कहा कि खिलाड़ी ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उसका सम्मान होना चाहिए और जोरदार होना चाहिए। वो एक समाज या क्षेत्र की नहीं बल्कि देश की बेटी है। लेकिन कार्यक्रम में महिला खिलाड़ियों का अपमान करने वाले बृजभूषण शरण को बुलाना समाज के लिए एक नकारात्मक संदेश है। जबकि राजपूत सभा चरखी दादरी के जिला प्रभारी पवन सांजरवासियां ने कहा कि खिलाड़ी के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। वो एक किसान की बेटी है।

कुछ असामाजिक तत्व व स्वयंभू नेता ही इसका विरोध कर रहे हैं। इसके अलावा कोई विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि बृजभूषण का पंवार बत्तीसी खाप जोरदार स्वागत करेगी।

चंद्रचूड़ ने बंगला नहीं छोड़ा,बढ़ा विवाद

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का सरकारी बंगले में ज्यादा दिन तक रुकना अब विवाद का कारण बन गया है। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि 5, कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला तुरंत खाली करवाया जाए।

यह बंगला देश के मुख्य न्यायाधीश का आधिकारिक निवास है। चंद्रचूड़ नवंबर 24 में रिटायर हुए थे, लेकिन अब तक वहीं रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक जुलाई को केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि देश के पूर्व मुख्य न्यायधीश चंद्रचूड़ तय समय से ज्यादा दिन बंगले में रह रहे हैं। नियम के मुताबिक रिटायरमेंट के बाद पूर्व मुख्य न्यायधीश को छह महीने तक टाइप-सात बंगले में रह सकते हैं। लेकिन चंद्रचूड़ टाइप-आठ बंगले में आठ महीने से रह रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है। स मुद्दे पर चंद्रचूड़ ने कहा कि यह देरी उनके पारिवारिक कारणों की वजह से हुई।

मेट्रो एंकर आय, संपत्ति या उपभोग में समानता पर आधारित सर्वे

गिनी इंडेक्स : आय समानता मामले में भारत की बड़ी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का गिनी सूचकांक 25.5 पर पहुंच गया है,यानि समानता के पैमाने पर भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद भारत समानता के मामले में चौथे स्थान पर आ गया है। गिनी इंडेक्स का मतलब यह है कि किसी देश में आय, संपत्ति या उपभोग किस तरह से घरों या व्यक्तियों में समान रूप से वितरित किया जाता है। इस पैमाने पर भारत ने चीन और अमेरिका जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। यह दर्शाता है कि आर्थिक प्रगति किस प्रकार देश की जनसंख्या में समान रूप से साझा की जा रही है। इस सफलता के पीछे गरीबी को कम करने, वित्तयी पहुंच का विस्तार करने और सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों तक सीधे कल्याण पहुंचाने पर केंद्रित नीतिगत ध्यान है।

दरअसल,गिनी इंडेक्स में 0 पूर्ण समानता और 100 पूर्ण असमानता को दर्शाता है। गिनी इंडेक्स जितना अधिक होगा, देश उतना ही असमान होगा। भारत मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में आता है, जिसमें 25 से 30 के बीच गिनी स्कोर शामिल है, और यह कम असमानता समूह में शामिल होने से बस थोड़ा सा दूर है। भारत का स्कोर उन सभी 167 देशों से बेहतर है, जिनके लिए विश्व बैंक ने डेटा जारी किया है। वैश्विक स्तर पर, केवल 30 देश मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में आते है। इसमें मजबूत कल्याणकारी व्यवस्था वाले कई यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और बेल्जियम शामिल हैं। इसमें पोलैंड जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं और संयुक्त अरब अमीरात जैसे धनी देश भी शामिल हैं।

खास यह कि 2011 में भारत का गिनी स्कोर 28.8 था, जो अब घटकर 25.5 हो गया है। यानि आर्थिक विकास अपेक्षाकृत अधिक समान रूप से वितरित हुआ है। इस मानक के अनुसार भारत ने चीन (35.7), अमेरिका (41.8) सहित सभी जी7 और जी 20 देशों को पीछे छोड़ दिया है।

17 करोड़ अत्यधिक गरीबी से बाहर !

बताया जाता है कि वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग 2025 गरीबी और समानता ब्रीफ के अनुसार 2011 से 2023 के बीच 171 मिलियन (17.1 करोड़) भारतीयों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया। प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन करने वाले लोगों की हिस्सेदारी, जो जून 2025 तक अत्यधिक गरीबी के लिए वैश्विक सीमा थी। 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में केवल 2.3 प्रतिशत रह गई।

राजधानी में मानसून मेहरबान, बेहाल वाहन चालक

बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से मध्यप्रदेश में बाढ़ के हालात हैं। राजधानी में भी बीते 24 घंटे से लगातार तेज तो कभी धीरे बरसात का दौर है। इसके चलते सड़कें जलमग्न हो गई हैं। हालांकि आज रविवार होने की वजह से सड़कों पर आवाजाही कम है।

सीएम मोहन यादव ने कहा- बिल लाएंगे

27% आरक्षण: एडवोकेट जनरल ने कहा- फैसला आने तक लाभ नहीं

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सरकार की ओर से 27 फीसद ओबीसी आरक्षण पर दो जवाब आएं है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ओबीसी को 27 फीसद आरक्षण देने के लिए विधानसभा में बिल लेकर आएंगे। जबकि सरकार द्वारा ही नियुक्त सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट में कहा कि जब तक ट्रांसफर याचिकाओं को लेकर अंतिम फैसला नहीं आ जाता तब तक 27 फीसद ओबीसी आरक्षण लागू नहीं कर सकते। उधर कांग्रेस ने आरोप लगाए कि सरकार भ्रमित करके झूठ बोल रही है। ये कभी ओबीसी वर्ग को उसका हक देना ही नहीं चाहते थे, आगे भी इनकी मंशा नहीं थी। जबकि पहले सीएम डॉ. मोहन यादव कह चुके थे कि कोर्ट में मजबूती के साथ तथ्य रखेंगे और संबंधित वर्गों को न्याय दिलाएंगे।

सीएम ने शनिवार कहा कि भाजपा सरकार ही 27 फीसद ओबीसी आरक्षण देगी। इसमें कोई संशय नहीं है। शुरू से हम यह बात कहते आ रहे हैं कांग्रेस तो झूठ फैला रही है। उसका काम ही झूठ का पहाड़ खड़ा करना है लेकिन ऐसा होने नहीं देंगे। यह भी कहा कि बगैर सर्वे, बगैर तैयारी, आरक्षण देने की बात करके कांग्रेस ने जो भ्रम फैलाया था, उसी के कारण यह मामला कोर्ट में लंबित रहा है। अब आरक्षण के संबंध में तथ्यात्मक आंकड़ों के आधार पर विधानसभा में बिल पेश करेंगे।

ज्वाइनिंग दिलाएंगे

सीएम ने कहा कि ओबीसी वर्ग को 14 फीसद आरक्षण पहले ही दे रही है। शेष 13 फीसद आरक्षण भी देंगे। इसके लिए सभी कानूनी पहलुओं की पड़ताल करवा रहे हैं। इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। कोर्ट को भी तथ्यों को अवगत कराएंगे। मजबूती के साथ पक्ष रखेंगे। सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की है। ऐसे विद्यार्थी जो न्यायालयीन प्रक्रिया के कारण ज्वाइनिंग नहीं दे पाए, उनको ज्वाइन कराने के भी प्रयास किए जाएंगे। सरकार ने अधिकारियों- कर्मचारियों की पदोन्नति के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया है, जब पदोन्नति मिलेगी तो नीचे के पद खाली होंगे, उन पर युवाओं को नौकरी के अवसर मिलेंगे। आने वाले समय में इसका असर दिखाई देगा।

कांग्रेस लड़ेगी आरपार की लड़ाई-पटवारी-सिंघार

इधर कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी व नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि यह सरकार ओबीसी समाज के हक को कुचलने की साजिश में लिप्त है और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को भी ठुकरा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने तत्काल कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस ओबीसी समाज के साथ मिलकर पूरे प्रदेश में आग उगलते आंदोलन की शुरूआत करेगी, जो भाजपा के लिए आफत बन जाएगी।. पटवारी ने कहा कि पिछडे वर्ग को अपना हक ना मिले इसके लिए संविधान के मूल ढ़ाचा से भी खिलवाड़ किया जा रहा है। संविधान में यह विदित है कि विधायिका के बनाए हुए कानून को अक्षर सह पालन कराने की जिम्मेदारी कार्यपालिका की होती है परंतु कार्यपालिका अपने दायित्व को निभा नहीं रही है मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार ओबीसी को उनके 27त्न आरक्षण के संवैधानिक हक से वंचित रख रही है।

ट्रेनों में खानपान और स्टाफ की मनमानी सामने आई

ट्रेनों में मुसाफिरों से संवाद कर व्यवस्था की खामियां पकड़ी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

रेल सुविधाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग ने ट्रेनों और स्टेशनों पर व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया और कई खामियों को दुरुस्त करने के निर्देश दिये। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के निर्देश पर वाणिज्य प्रबंधक पंकज दुबे ने पेंट्रीकार, स्टेशन स्वच्छता और टिकट जांच व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान यात्रियों से सीधा संवाद कर उनकी शिकायतें भी जानी गईं। बताया जाता है कि ट्रेन संख्या 12137 पंजाब मेल की पेंट्रीकार के निरीक्षण के दौरान पेंट्री प्रबंधक की उपस्थिति में यात्रियों से बातचीत की गई। यात्रियों ने खाद्य गुणवत्ता में कमी और ओवर चार्जिंग की शिकायतें कीं। इस पर तत्काल पेंट्री प्रबंधक को बुलाकर ओवर चार्जिंग रोकने और सेवा सुधार के सख्त निर्देश दिए गए।

बताया जाता है कि पेंट्री में जनता खाना उपलब्ध नहीं था तथा खाने के पैकेटों पर मूल्य अंकित नहीं थे। इसके अलावा पेंट्रीकार में स्वच्छता भी नहीं थी। स्टाफ बिना यूनिफॉर्म और आईडी के काम कर रहा था। इस पर पेंट्री प्रबंधक और स्टाफ को सख्त हिदायत दी गई कि सुधार नहीं होने पर कार्रवाई तय है।

गंजबासौदा के प्लेटफॉर्म की सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली

बताया जाता है कि इस निरीक्षण का अगला पड़ाव गंजबासौदा रेलवे स्टेशन रहा। यहां प्लेटफॉर्म की सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। प्लेटफॉर्म शेड से बारिश का पानी रिसता मिला। इसे लेकर सफाई ठेकेदार को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए हैं। गंजबासौदा स्टेशन पर भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस, भोपाल-बीना मेमू और ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी समेत अन्य यात्री ट्रेनों की जांच की गई। सभी ट्रेनों में टिकट चेकिंग स्टाफ को निर्देश दिए गए कि बिना टिकट यात्रियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। निरीक्षण में मुख्य टिकट निरीक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव, खानपान निरीक्षक हेमराज मीणा, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मानवेंद्र सिंह और मंडल वाणिज्य निरीक्षक (विदिशा) वी.एम. राव शामिल रहे। कटारिया ने कहा कि यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवा और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के नियमित निरीक्षण आवश्यक हैं। भविष्य में भी यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

भोज एयरपोर्ट की छलांग, यात्री सुविधा सर्वे में अव्वल, छह महीने में सुधारी रैंकिंग

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट ने सुविधाओं के नाम पर बड़ी छलांग लगाई है। वह जनवरी से जून के बीच हुए पहले राउंड के पैसेंजर सेटिस्फेक्शन सर्वे में पहले नंबर पर आया है। जबकि जुलाई से दिसंबर 2024 के दूसरे राउंड के सर्वे में राजा भोज एयरपोर्ट को 15वां स्थान मिला था। यानि छह महीने में राजा भोज एयरपोर्ट 14 स्थान ऊपर जाकर उदयपुर और खजुराहो के साथ सर्वे में पूरे पांच में से पांच नंबर प्राप्त कर पहले नंबर पर पहुंच गया है। जबकि गया एयरपोर्ट को पैसेंजर सेटिस्फेक्शन सर्वे में दूसरा स्थान मिला है। जम्मू के साथ

विजयवाड़ा का एयरपोर्ट इस सर्वे में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि देश के 60 एयरपोर्ट पर हुए जनवरी से जून 2025 के बीच के पहले राउंड के सर्वे में यह रिजल्ट सामने आए हैं।

बताया जाता है कि राजा भोज एयरपोर्ट से जून 2025 में कुल 1,36,675 यात्रियों ने सफर किया। मई के आंकड़ों पर नजर डालें तो मई 2025 में भोपाल एयरपोर्ट से 1,40,621 यात्रियों ने सफर किया। इस तरह करीब 4,000 यात्रियों की कमी मई के मुकाबले जून के महीने में हुई। पिछले साल जून 2024 में यह संख्या 1,33,922 थी। इस साल जून में यात्रियों की संख्या में पिछले साल के जून के महीने के मुकाबले 2,753 की बढ़ोतरी हुई। उधर राजा भोज एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है कि यात्रियों ने हमारी सेवाओं को सराहा है। इसलिए हम एक बार फिर वर्ष 2023 के बाद पहले नंबर पर आ गए हैं। राजा भोज एयरपोर्ट को जमीनी परिवहन, पार्किंग की सुविधा,

अखाड़े और ढोल-ताशों के साथ जुलूस वीआईपी रोड स्थित प्राचीन करबला मैदान तक पहुंचेगा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

इस्लामिक कैलेंडर के पहले महीने मोहर्रम की 10वीं तारीख को मनाए जाने वाले आशूरा के मौके पर आज रविवार को भोपाल शहर में मातमी जुलूस निकाला जा रहा है। जुलूस के दौरान करबला की जंग का जिक्र किया जा रहा है। जहां हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों ने अन्याय के खिलाफ लड़ते हुए शहादत दी थी। शहर की सड़कों पर 'या हुसैन, या हुसैन' की सदाएं देर शाम तक गूंजेंगी। बड़ी संख्या में ताजिए, बुर्राक, सवारियां, परचम, अखाड़े और ढोल-ताशों के साथ जुलूस वीआईपी रोड स्थित प्राचीन करबला मैदान तक पहुंचेगा।

मुख्य जुलूस की शुरुआत फतेहगढ़ से होगी, जो मोती मस्जिद चौराहा होते हुए करबला पहुंचेगा। इसके अलावा शहर के अन्य हिस्सों से चार बड़े जुलूस निकलेंगे, जो पीरगेट क्षेत्र में आकर मिलेंगे। रविवार सुबह जुलूस इमामबाड़ा, रेलवे स्टेशन, काजी कैंप, भानपुर, करोद, गांधी नगर, आरिफ नगर, छोला, नारियल खेड़ा और जेपी नगर से होता हुआ सैफिया कॉलेज चौराहे पहुंच रहा है। वहां से यह मोहम्मदी चौक, पीरगेट, रॉयल मार्केट, ताजुल मसाजिद होकर शहीद नगर स्थित करबला शाम तक समापन होगा। जुलूस में सैकड़ों की संख्या में ताजिए, बुर्राक, परचम, धार्मिक झंडे और प्रतीक, मातमी सवारियां और विभिन्न मुस्लिम सामाजिक संस्थाओं के अखाड़े शामिल होंगे। इसके अलावा पहली बार ईरानी डेरे में अंगारों पर चलने वाला मातम नहीं किया जाएगा। डेरे के प्रमुख लोगों ने बताया कि इस बार जगह नहीं होने के चलते ऐसा किया जा रहा है।

राजधानी में मोहर्रम का जुलूस, ताजिए निकले, ट्रेफिक बदला

जुलूस के चलते बदला ट्रैफिक

भोपाल में 4 जुलाई से 6 जुलाई तक मोहर्रम के जुलूस को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। भीड़-भाड़ और जाम से बचाव के लिए हर शाम 6 बजे से पुराने शहर के कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है। पुलिस ने शहरवासियों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस पर विशेष आलेख

एक राष्ट्र, एक संविधान के महान सेनानी व एकता के अमर प्रहरी

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड़ने का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

-हेमन्त खण्डेलवाल

देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गईं थी। अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि ÷एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते।÷ यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया। यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है।

डॉ. मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्त्तव्यनिष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की %परमिट प्रणाली% के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड़ना मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता योगमाया देवी ने इसे 'मेडिकल मर्डर' करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा। डॉ. मुखर्जी का यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके निधन के कुछ सप्ताहों के भीतर ही कश्मीर की परमिट प्रणाली समाप्त कर दी गई और धीरे-धीरे वह व्यवस्था बदली, जिसने देश के भीतर अलगाव और तनाव पैदा किया था। हालांकि कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, परन्तु उनकी विचारधारा आज भी भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है।

2004 के बाद जब देश में कांग्रेस की सत्ता रही, तब जम्मू-कश्मीर को विशेष स्वायत्तता देने की बातें पुनः उठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2010 में जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता की बात कहकर भारत की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस ने पीडीपी की कठपुतली बनकर आतंकवादियों के प्रति नरमी बरती, जिससे कश्मीर में दशकों तक हिंसा और विस्थापन हुआ। हजारों नागरिक शरणार्थी बने और उनकी जिंदगी कठिन हुई। इस दौरान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा मिला और भारत विरोधी गतिविधियां फलने-फूलने लगीं। डॉ. मुखर्जी के संघर्ष और बलिदान के कारण ही जम्मू-कश्मीर आज भारत का अभिन्न हिस्सा है। ।शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी ने अमूल्य योगदान दिया। आज नई शिक्षा नीति में भी उनके विचारों की परछाई मिलती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, तीन तलाक विरोधी कानून, डॉ. मुखर्जी के सामाजिक दृष्टिकोण और राष्ट्रहित के विचारों का प्रतिफल हैं। वे पद, प्रतिष्ठा या स्वार्थ से ऊपर उठकर केवल देश की सेवा में लगे रहे। आज जब भारत 2047 में स्वावलंबी और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उनकी शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। डॉ. मुखर्जी का आदर्श और बलिदान हमारे लिए एक अमर प्रेरणा हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को एकजुट, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

लेखक-मप्र भाजपा के अध्यक्ष हैं।

कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में किसान संघ पदाधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

किसान संगठनों के सुझाव बहुमूल्य, प्रशासन द्वारा यथासंभव कार्यवाही की जाएगी : कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शनिवार को कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिले के किसान संघ के पदाधिकारी के साथ बैठक का आयोजन कर किसान हित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई। इस दौरान कलेक्टर ने किसानों द्वारा प्रस्तुत की गई मांगों एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुनकर अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसान हित से जुड़े सभी बिंदुओं पर आवश्यक कार्यवाही कर अपने अधिनस्थ अमले तक भी जानकारी प्रेषित करें।

बैठक के दौरान किसानों द्वारा भी कई सुझाव एवं मांगे कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों द्वारा प्रस्तुत की गई मांगों एवं सुझावों को लिखित रूप से दर्ज कर उन पर गंभीरता पूर्वक विचार किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जिन विभागों के स्थानीय अमले के द्वारा सहयोग न करने की समस्याएं है संबंधित विभाग के जिलाधिकारी स्वयं उन समस्याओं का निरीक्षण उनका समाधान सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने उपस्थित किसान संघ कलेक्टर ने उपस्थित किसान संघ के पदाधिकारीयो से कहा की आप सभी के सुझाव बहुत ही बहुमूल्य हैं।

कृषि विभाग से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर द्वारा कृषक संगठनो द्वारा खाद, बीज, उपार्जन,सहित अन्य

उपार्जन, खाद वितरण, विद्युत आपूर्ति जैसे अन्य किसान हित से जुड़े मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा

बिंदुओं पर प्रदान किए गए सुझावों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीनी स्तर पर स्थानीय अधिकारियों/कर्मचारियों का समन्वय अत्यंत आवश्यक है, इसीलिए समस्त पटवारी/जीआरएस/आरआई/आशा/जेएसओ आदि को कार्योन्मुख रहने के निर्देश जारी करें। कलेक्टर ने बताया कि आगामी एक सप्ताह में खाद वितरण के लिए भी अधिक प्रभावशील बनाया जाएगा। खाद वितरण की व्यवस्था को और भी रूप से सुचारु किया जाएगा। डीएमओ मार्कफेड द्वारा बताया गया कि प्रत्येक डबल लॉक केंद्र पर तीन मशीनों की व्यवस्था की गई है तथा चार अन्य केंद्र भी स्थापित किया जाना प्रस्तावित है जो कि शीघ्र ही क्रियाशील हो जाएंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए की वितरण केन्?द्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे किसने के लिए बारिश से बचाव के लिए शेड, पीने के पानी की व्यवस्था, शौचालय आदि को बढ़ाया जाए। उपार्जन संबंधित सुझावों की समीक्षा का कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की सर्वेयर का प्रशिक्षण आवश्यक रूप से करवाया जाए साथ ही प्रत्येक केंद्र पर नोडल अधिकारियों को नियुक्त कर उनके नाम एवं संपर्क सूत्र की जानकारी चश्मा करवाई जाए जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर संपर्क करने में सहूलियत प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि उपार्जन नीति के अनुसार ही उपार्जन प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी नवीन उपार्जन केन्?द्रों की संख्या बढ़ाने संबंधित किसान संगठनों की मांग को शासन स्तर पर प्रेषित किया जाएगा। कलेक्टर ने उपार्जन प्रक्रिया में संलग्न अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी केन्?द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए तथा फील्ड लेवल अधिकारियों को भी अधिक सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने किसान संगठनों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन द्वारा किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। कलेक्टर ने डीएम वेयरहाउस को निर्देश दिए की उपार्जन केंद्रों के रूप में निर्धारित किए गए वेयरहाउस के एप्रोच रोड सुचारू रहे जिससे किसानों को उपार्जन केंद्र तक अपनी उपज पहुंचाने में समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने निर्देश दिए की किसानों द्वारा लाई गई उपज को रिजेक्ट करने पर उन्हें अस्वीकार करने के कारण संबंधित पावती उपलब्ध करवाई जाए। कलेक्टर ने पूर्ण पारदर्शिता के साथ उपार्जन प्रक्रिया संपन्न किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपार्जन प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की शिकायत ना इस सुनिश्चित किया जाए एवं शासन द्वारा जारी मानकों के अनुरूप ही खरीदी हो। साथ ही उपार्जन के दौरान सैंपल एकत्र करने संबंधी जानकारी प्रत्येक उपार्जन केन्द्रों पर पूर्ण एवं स्पष्ट रूप से चस्पा कराई जाए जिससे किसी भी प्रकार का असंतोष तथा सैंपल एकत्रण में ना रहे।

किसानों की विद्युत संबंधी समस्याओं की समीक्षा करने के उपरांत कलेक्टर ने एसई एमपीईबी को निर्देश दिए कि बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। निर्धारित समय अनुसार विद्युत आपूर्ति की जाए। उन्होंने निर्देशित किया की विद्युत विभाग अपने स्थानीय कर्मचारियों को निर्देशित करे कि किसानों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार रखें। प्रयास करें कि संगठन द्वारा दिए गए सुझावों पर नियम अनुसार अमल किया जा सके। जो विद्युत केंद्र स्थापित किया जा चुके हैं उन्हें शीघ्र ही क्रियाशील किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति से संबंधित सभी समस्याओं यथासंभवम निराकरण किया जाए।

कलेक्टर ने किसान संगठनों के पदाधिकारी को सुपरसीडर तथा हैप्पी सीडर के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान भाई के फार्म एप के माध्यम से कस्टम हायरिंग की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं तथा उक्त मशीनों को किराए पर भी उपयोग कर सकते हैं। किसानों द्वारा मांग की गई कि कृषि कार्य मशीनों के क्रय के दौरान जो अनुदान प्राप्त होता है वह किसानों के खाते में ही जमा करवाया जाए। उक्त संबंध में उपसंचालक कृषि द्वारा आश्वस्त किया गया कि मांग के संबध में शासन स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर अवश्य प्रेषित किया जाएगा। किसान संगठनों ने ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही चोरी की वारदात के संबंध में भी कलेक्टर को अवगत कराया।

डिप्टी कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण

अनुपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी को किए जाए कारण बताओ नोटिस जारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार शनिवार प्रातः डिप्टी कलेक्टर डॉ. बबीता राठौर द्वारा जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में तैनात विशेषज्ञ डॉक्टरों, स्टाफ नर्सिंग ऑफिसर्स सहित अन्य स्टाफ की उपस्थिति एवं कार्यों की समीक्षा की गई।

निरीक्षण में सेवा स्थल पर अनुपस्थित पाए गए अधिकारी एवं कर्मचारियों को डॉ. राठौर ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आमजनों को आ रही समस्याओं का भी जायज़ा लिया गया। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

डिप्टी कलेक्टर ने समस्त वार्डों में भर्ती मरीजों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना एवं सभी मरीजों को साफ-सुथरी चादरें एवं गद्दे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

स्वच्छता व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त कर सुधारात्मक कार्रवाई किए जाने के दिए निर्देश

महिला चिकित्सा विभाग में भर्ती एक बुजुर्ग महिला से बातचीत कर उनकी समस्या सुनने के बाद मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. सतीश तिवारी को निर्देशित किया गया कि वे महिला का समुचित परीक्षण कर संपूर्ण उपचार सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान डॉ. राठौर ने कोटपा एक्ट के तहत अस्पताल परिसर में धूम्रपान, तम्बाकू सेवन अथवा थूकने पर 200 रुपए का जुर्माना लगाने की कार्यवाही के सख्त निर्देश भी दिए।

इस दौरान पर सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कमले, आरएमओ डॉ. गजेंद्र यादव, सहायक प्रबंध श्रीमती रोशनी प्रजापति एवं मैटर्न श्रीमती पम्मी राव उपस्थित रहीं।

राजा मोहल्ला वासियों ने भगवान जगन्नाथ के रथ का स्वागत किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जगत के पालनहार भगवान जगन्नाथ भाई बलदाऊ और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर शनिवार को राजा मोहल्ला वासियों को दर्शन देने के लिए पहुंचे। राजा मोहल्ले में भगवान जगन्नाथ का भव्य स्वागत मोहल्ले वासियों ने किया। मोहल्ले के निवासियों ने बताया कि आज रात भगवान का विश्राम मोहल्ले में रहेगा। रविवार शाम को भगवान जगन्नाथ का रथ मोहल्ले से रवाना होगा।

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के अवसर पर हुआ कैंप का आयोजन

नर्मदापुर। 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत् एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में केन्द्रीय जेल खंड ब नर्मदापुरम में कैम्प का आयोजन जेल अधीक्षक संतोष कुमार सोलंकी, जिला टीबी अधिकारी डॉ रोहित शर्मा,उप जेल अधीक्षक योगेश शर्मा ,सहायक जेल अधीक्षक ऋतुराज सिंह दांगी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें जेल में उपस्थित सभी बंदीओं का टीबी स्क्रीनिंग किया गया। एवं जो बंदी टीबी संदेहास्पद थे, ऐसे 52 बंदीओं का एक्स- रे एवं 42 बंदियों का खखार सैम्पल लिया गया। साथ ही 250 बंदीयों का एचआईवी सिफलिस एवं सभी बंदीओं का कुष्ठ रोग की स्क्रीनिंग की गई। इस कैम्प में डीपीसी विशेष दुबे, हेमन्त अग्रवाल, एमएई हेमन्त पटेल, एसटीएलएस विक्रम पटेल,एनएमए गोविन्द सराठे, एसटीएस वर्षा शर्मा, वार्ड बॉय जीवन लाल कटारे, जेल फार्मासिस्ट नमिता श्रीवास, लैब टेक्नीशियन अर्पण चाचरे, एसटीपी रितिक जयसवाल एवं जेल परियोजना समन्वयक शाकिर अली उपस्थित थे।

अभाविप ने सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में एलएलबी प्रथम वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया में आ रही बाधाओं एवं विश्वविद्यालय पोर्टल पर आवेदन

प्रक्रिया प्रारंभ न होने के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा कुलपति बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। जिला संयोजक शुभम ठाकुर ने बताया कि महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया में आ रही रुकावटों के चलते छात्र-छात्राएं मानसिक तनाव में हैं एवं उनके भविष्य को लेकर गहरी चिंता व्याप्त है। आवेदन प्रक्रिया समय पर प्रारंभ न होने से विद्यार्थियों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित होने की आशंका है। परिषद ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि प्रवेश प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ कर विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो परिषद उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी विद्यालय प्रशासन की होगी। ज्ञापन में गजेंद्र ,अंशुल,तरुण ,मंजीत,संजय, चेतन,ऋतिक शक्ति,दाताराम,दक्ष,विपिन अनुज आदि मौजूद रहे

अनुकंपा कर्मचारियों की 'संभावित' पदोन्नति का अभी से विरोध, नपा मजदूर संघ ने दी चेतावनी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नपा कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया है कि नगरपालिका में चार कर्मचारियों के द्वारा आत्महत्या की गई उसमें से तीन आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया गया है इनमें से एक नियमित कर्मचारी के द्वारा संबल मजदूरी का कार्ड भी नगरपालिका में नियमित कर्मचारी रहते हुए बनवा लिया गया नियमित कर्मचारी रहते हुए मजदूरी संबल कार्ड कैसे बना वो अलग ही जांच का विषय है लेकिन उक्त कर्मचारी की आत्महत्या के पश्चात उसकी आश्रित पत्नी ने नगरपालिका में अनुकंपा नियुक्ति पर पद स्थापना प्राप्त कर ली है और साथ ही संबल मजदूरी कार्ड पर शासन से चलायमान योजना के तहत दो लाख रुपए की राशि भी प्राप्त कर ली है यह संयोग है या सोची समझी रणनीति के तहत भ्रष्टाचार से युक्त अपराध है? इस विषय पर नगरपालिका के द्वारा दी गई अनुकंपा व दो लाख रुपए प्राप्त मृतक राशि पर आज तक संबंधित कर्मचारी पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है.

वहीं दूसरी तरफ मजदूर संघ के द्वारा दी गई अनुकंपा नियुक्तियों की जांच को लेकर नगरपालिका से लेकर शासन स्तर पर बहुत से

महेश वर्मा नपा कर्मचारी संघ अध्यक्ष

शिकायत पत्र दिए गए हैं जिसमें चाचा के आश्रित को हिंदू दत्तक ग्रहण अधिनियम, अनुकंपा नियुक्ति नियमावली, शासन आदेश को धता बताकर पिता के शासकीय सेवा में रहते हुए, पहला नामिनी बदलकर दूसरा नामिनी फर्जी शपथ पत्र चाचा की मृत्यु के दो दिन पहले मूर्छित अवस्था में तैयार करवाया गया. मृतक चाचा की पत्नी को दरकिनार करते हुए गलत जानकारी व दस्तावेजो के आधार पर वैध उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र को आधार बनाकर चाचा की मृत्यु के उपरांत आश्रित बनकर चपरासी के पद पर अनुकंपा नियुक्ति पर पद स्थापना पाने वाले आज के प्रभारी कार्यालय अधीक्षक ने बहुत ही झोलझाल के साथ चपरासी के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त की है. आत्महत्या करने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को भी नियमों के विपरीत नगरपालिका में जो अनुकंपा नियुक्तियों पर पद स्थापना दी गई है इसको लेकर उच्च न्यायालय जबलपुर मध्य प्रदेश में याचिका क्रमांक डब्ल्यू पी 36095/24 चलायमान है निकट भविष्य में नगरपालिका में पदोन्नति की कार्यवाही कर्मचारियों के लिए कि जा रही है. यदि इन आश्रितों के नाम पदोन्नति की कार्यवाही में शामिल किये जाते हैं तो इसको लेकर न्यायालय में चलायमान प्रकरण याचिका क्रमांक डब्ल्यू पी 35096/24 में प्रति उत्तर के साथ चुनौती पूर्ण कार्यवाही की जायेगी.

मजदूर संघ नगरपालिका सीएमओ, नगरपालिका अध्यक्ष, जिला चयन समिति के सदस्यगण व संबंधित अन्य अधिकारियों से अपेक्षा करता है कि चाचा का आश्रित बनकर चपरासी के पद पर अनुकंपा पाने वाले व आत्महत्या करने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को जो अनुकंपा नियुक्तियां दी गई है उनके नाम पदोन्नति की कार्यवाही में शामिल नहीं की जावे और जिस कर्मचारी महिला ने अनुकंपा के साथ साथ दो लाख रुपए की राशि संबल योजना के तहत प्राप्त की है उस पर उचित कार्यवाही की जावे।

सुरक्षा व्यवस्था: एएसपी ने किया ताजिया विसर्जन कुंड का निरीक्षण

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

ताजिया विसर्जन के अवसर पर में शांति सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत चौबे ने बेतवा घाट पहुंचकर ताजिया विसर्जन कुंड का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीओपी कुरवाई बासौदा इंचार्ज रोशनी सिंह ठाकुर, थाना प्रभारी देहात आशुतोष सिंह एवं थाना प्रभारी शहर संजय बेदिया उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्देश दिए कि जुलूस मार्गों और विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे एवं ड्रोन कैमरों से निगरानी सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त बल की तैनाती की जाए तथा रात्रि एवं प्रभात गश्त को सघन किया जाए।

जुलूस आयोजकों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने अफवाह फैलाने वालों एवं असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने और इंटेलिजेंस तंत्र को सक्रिय रखने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही ताजिया विसर्जन घाट पर गोताखोरों की व्यवस्था रखने तथा विद्युत तारों की स्थिति दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस बल को एंटी राइट ड्रिल सामग्री, बरसाती, टॉर्च आदि उपकरणों के साथ तैयार रहने और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए भी तैयार रहने को कहा गया।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे त्योहारों को आपसी सद्भाव एवं शांति के साथ मनाएं और प्रशासन का सहयोग करें।

मेट्रो एंकर आजीविका मिशन बना सशक्तिकरण की मिसाल

समूह के सहयोग से हेमलता ने बदली हाथ की लकीरें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सोहागपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बरुआढाना की हेमलता कुशवाह ने मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर न सिर्फ अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया बल्कि ग्राम की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं।

हेमलता कुशवाह जय माता स्व सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह से जुड़ने से पूर्व उनका परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर था और मजदूरी पर निर्भर था, जिससे परिवार की शिक्षा एवं अन्य अवसर सीमित थे। वर्ष 2017 में आजीविका मिशन की पहल पर जब ग्राम की महिलाओं को स्व सहायता समूह से

आजीविका गतिविधियों से आत्मनिर्भरता की ओर बढे कदम, समूह से जुड़ने के बाद आया जीवन में बदलाव

जोड़ने का अभियान चलाया गया तब हेमलता ने भी समूह से जुड़ने का निश्चय किया।

समूह की बैठकों में भाग लेकर हेमलता ने विभिन्न आजीविका

गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सब्जी उत्पादन और कृषि कार्य शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम में सीएससी सेंटर स्थापित कर ग्रामीणों को बैंकिंग, पेंशन और अन्य ऑनलाइन सेवाएं सुलभ कराई। इससे न केवल गाँव के वृद्धजनों को पेंशन के लिए बाहर जाने की आवश्यकता समाप्त हुई बल्कि उनकी अपनी आमदनी भी बढ़ी। हेमलता ने सीआरपी के रूप में भी कार्य करना प्रारंभ किया जिससे उन्हें मानदेय के रूप में अतिरिक्त आय हो रही है। इसके साथ ही वे मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का लाभ भी प्राप्त कर रही हैं।

समूह से जुड़ने के बाद हेमलता के जीवन में आर्थिक, सामाजिक एवं पारिवारिक स्तर पर सकारात्मक बदलाव आए हैं। आज वे स्वयं सब्जी उत्पादन एवं विक्रय का कार्य कर अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं। इसके साथ ही वे अन्य महिलाओं को भी कृषि एवं आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। हेमलता कहती हैं कि स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें जीवन में आत्मविश्वास, सम्मान और नई पहचान मिली है। आजीविका मिशन से जुड़कर वे बेहद खुश हैं और उन्होंने मिशन के प्रति आभार व्यक्त किया है। हेमलता कुशवाह का यह सफल प्रयास इस बात का उदाहरण है कि स्व सहायता समूह और आजीविका मिशन के सहयोग से ग्रामीण अंचल की महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं.

मदन मोहन सरकार की भव्य आरती में क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा हुए शामिल

उमाकांत शर्मा ने भगवान से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

उमाकांत शर्मा ने मदन मोहन सरकार की आरती में सम्मिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया और भगवान की कृपा का अनुभव किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान मदन मोहन सरकार से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

आरती के दौरान दीपक की लौ और अगरबत्ती की सुगंध ने वातावरण को पवित्र और दिव्य बना दिया। उमाकांत शर्मा ने मदन मोहन सरकार की आरती में सम्मिलित होकर अपने आप को धन्य महसूस किया और भगवान की कृपा का अनुभव किया।

जय मदन मोहन सरकार! आपकी जय हो!

विधायक उमाकांत शर्मा ने करीला धाम पहुंचकर जानकी मैया के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने भाजपा मंडल अध्यक्ष देवपुर झारसिंह दांगी से मुलाकात की और जानकी मैया के दरबार में आयोजित पूजन एवं भंडारे के अवसर पर चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने माँ जानकी मैया की विशेष पूजा-अर्चना की और उनकी कृपा की कामना की। इस अवसर पर उमाकांत शर्मा के साथ सिरोंज तहसील एवं मुंगावली तहसील के तथा दांगी समाज के अनेक वरिष्ठ समाजसेवी, भारतीय जनता पार्टी के नेतागण, कार्यकर्तागण आदि उपस्थित थे। करीला धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र सिंह यादव, मुंगावली मंडल अध्यक्ष दिनेश यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष मंडल बहादरपुर के चंद्रभान सिंह दांगी आदि वरिष्ठजनों ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर पूजन एवं भंडारे में सम्मिलित हुए।

विधायक उमाकांत शर्मा ली समीक्षा बैठक : दिए सख्त निर्देश

विकास कार्य तय समय में हो, काम न करने वालों को करें ब्लैक लिस्ट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शनिवार को विधायक उमाकांत शर्मा ने एलबीएस कॉलेज में विकासखंड में विभिन्न विभागों से संचालित योजना एवं निर्माण कार्यों के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। शासन की जनहितैषी योजनाओं को आम जनता पहुंचने में किसी भी तरह की लापरवाही ना हो समय सीमा में हितग्राहियों का काम हो विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की करते हुए लापरवाही करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई के संबंध में भी निर्देश एसडीएम को दिए साथ इस शहर को हरा भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण पर विशेष जोर दिया इसके अलावा उन्होंने स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों जितने भी मार्ग खराब है उनको तत्काल ठीक करवाने के दिशा निर्देश सभी कामों की विस्तार से समीक्षा की।

विधायक श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री मंशानुरूप सरकार की

जनहितकारी योजना का क्रियान्वयन समय पर और अच्छे ढंग से करवाए जिससे की आम जनता को बगैर किसी असुविधा के समय सीमा में लाभ प्राप्त हो नालों के संबंध में उन्होंने सीएमओ से समीक्षा करके इनको जल्दी बनवाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए साफ सफाई के साथ पानी निकासी की समस्या भी निर्मित ना हो इसका भी ध्यान रखें। बरसात में बिजली की ट्रिपिंग अधिक हो रही है उसके लिए भी बिजली विभाग कंपनी का अधिकारियों को विधायक ने निर्देश दिए की बिजली कटौती ज्यादा ना हो अच्छे से मेंटेनेंस का कार्य करे बरसात में बिजली की कटौती बिल्कुल ना हो ऐसा कदम उठाए।

लैपटॉप वितरण कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा हुये शामिल

सिरोंज। विधायक उमाकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत आयोजित विद्यार्थियों को लैपटॉप राशि का अंतरण कार्यक्रम अंतर्गत विकासखंड स्तरीय लैपटॉप वितरण कार्यक्रम स्थानीय संदीपनी विद्यालय सिरोंज में सम्मिलित होकर मुख्यमंत्री के उदबोधन एवं कार्यक्रम को विद्यार्थियों के साथ सुना। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का उदबोधन सुनने के बाद सभी विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उनका प्रतिभावान विद्यार्थियों का पटका पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से उनके शिक्षण आदि के संबंध में जानकारी ली। सभी छात्र-छात्राओं ने लैपटॉप वितरण जैसी विद्यार्थियों के तकनीकी विकास के लिए योजनाओं के संचालन हेतु मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

बन विभाग के अधिकारियों को अधिक से अधिक क्षेत्र में पौधारोपण करने के लिए निर्देशित किया राजस्व विभाग के अलावा अन्य विभागों के कामों की भी समीक्षा की।

इस दौरान एसडीएम हर्षल चौधरी, जनपद पंचायत के सीईओ उदय प्रताप सिंह, सीएमओ रामप्रकाश साहू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ऑपरेशन मुस्कान

सिरोंज पुलिस ने गुमशुदा 7 वर्षीय बच्ची को महज 30 मिनट में खोजकर परिजनों से मिलाया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर प्रशांत चौबे,एसडीओपी सिरोंज उमेश तिवारी के मार्गदर्शन एवं थाना सिरोंज प्रभारी निरीक्षक पंकज गीते के नेतृत्व में ऑपरेशन मुस्कान के तहत गठित टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए गुमशुदा नाबालिग बालिका को मात्र 30 मिनट में तलाश कर सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया।

दिनांक 05.07.2025 को नगर पालिका क्षेत्र सिरोंज से एक व्यक्ति द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री के गुम हो जाने की सूचना थाना सिरोंज को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के निर्देशन में पुलिस टीम तत्काल सक्रिय हुई और सघन तलाशी अभियान शुरू किया।

टीम ने स्थानीय नागरिकों से पूछताछ,आसपास के तीन सीसीटीवी कैमरे चेक करने और लगभग 50 राहगीरों को फोटो दिखाकर जानकारी लेने के बाद करीब 30 मिनट के भीतर बच्ची को हाथीथान मोहल्ला स्थित एक दुकान के पास रोते हुए सुरक्षित बरामद कर लिया। बाद में बच्ची को थाना लाकर उसके परिजनों को सौंपा गया और भविष्य में विशेष सतर्कता बरतने की समझाइश दी गई।

महत्वपूर्ण भूमिका

इस कार्य में थाना प्रभारी सिरोंज पंकज गीते के निर्देशन में उपनिरीक्षक स्मिता जैसवार, चीता आरक्षक आर. विष्णु एवं आरक्षक शैलेन्द्र की टीम ने त्वरित एवं समन्वित प्रयास करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सक्रियता और संवेदनशीलता के कारण बच्ची को सुरक्षित और शीघ्र परिजनों तक पहुंचाया जा सका।

उल्लेखनीय सफलता

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में अब तक विदिशा पुलिस द्वारा 230 से अधिक गुमशुदा/अपहृत नाबालिग बालिकाओं को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंपा जा चुका है, जो पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और भरोसेमंद कार्यशैली का प्रतीक है।

प्रभारी तहसीलदार की नवीन पदस्थापना आदेश जारी

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जिले में पदस्थ नायब तहसीलदार और प्रभारी तहसीलदारों की नवीन पदस्थापना का आदेश जारी कर दिया है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के आदेश का हवाला देते हुए अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने बताया कि जिले में तीन प्रभारी तहसीलदार एवं एक नायब तहसीलदार के द्वारा कार्य भार ग्रहण करने पर उनकी पदस्थापना आदेश जारी हुआ है वहीं पूर्व पदस्थ एक प्रभारी तहसीलदार की नवीन स्थल पर पदस्थापना की गई है। तदानुसार प्रभारी तहसीलदार श्रीमती प्रीति पंथी को तहसीलदार नगर विदिशा, प्रभारी तहसीलदार श्रीमती प्रेमलता पाल को तहसीलदार शमशाबाद, प्रभारी तहसीलदार अरविंद कुमार यादव को तहसीलदार गंजबासौदा, नायब तहसीलदार सुश्री ऋतु राय को प्रभारी तहसीलदार त्योंदा और नायब तहसीलदार श्रीमती निधि लोधी की नवीन पदस्थापना नायब तहसीलदार नगर विदिशा के पद पर की गई है।

छात्रा को नहीं बुलाया सम्मान समारोह में, एसडीएम को शिकायत

तेंदूखेड़ा। अनुविभागीय अधिकारी तेंदूखेडा को कक्षा 12वीं में 83.6 प्रतिशत प्राप्त होने के बाद भी छात्रा हिमानी खटीक पिता त्रिलोक खटीक निवासी-वार्ड क. 8 को शुक्रवार को हुए उत्कृष्ट विद्यालय में सम्मान में न बुलाने के संबंध में एक शिकायती आवेदन सोपा गया है जिसमें छात्रा ने उल्लेख किया है कि आवेदिका/प्रार्थी ने कक्षा 12वीं की परीक्षा कलां संकाय से सी0एम0 राईज शासकीय विद्यालय तेंदूखेडा जिला दमोह से उत्तीर्ण की है, जिसमें आवेदिका को 83.6 प्रतिशत प्राप्त हुये हैं। दिनांक 04 जुलाई 2025 को तेंदूखेडा में मेधावी छात्र/छात्राओं का विद्यालय द्वारा सम्मान समारोह रखा गया था, परंतु आवेदिका को कथित जातिगत वजहों से समारोह में सम्मान प्रदाय नहीं किया गया, जिससे छात्रा काफी मानसिक रूप से परेशान है। सम्मान समारोह में विकाखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं कार्यक्रम का आयोजन करने वाले शिक्षकों द्वारा आवेदिका को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदाय नहीं किया गया है, जबकि 75 प्रतिशत अंक प्रदाय करने वाले छात्र/छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदाय किये गये हैं। आवेदिका के साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है, जबकि सभी छात्र छात्राएं समान होते हैं।अतः संबंधित अधिकारी / कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की गई है।

नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन

सिरोंज। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो कक्षा 9वी से महाविद्यालय स्तर तक अध्यनरत हैं जिन्हें केंद्र परिवर्तित प्री मैट्रिक पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त हो रहा है और दिन की वार्षिक पारिवारिक ढाई लाख रुपए से कम है उन्हें वर्ष 2025 26 में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। जनजाति कार्य विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा एक बार वन टाइम रजिस्ट्रेशन नम्बर प्राप्त कर लिया जाता है जो भविष्य में आगामी कक्षाओं में इसी नंबर के आधार पर छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। इसके लिए पृथक से वन टाइम रजिस्ट्रेशन कराने की आवश्यकता नहीं रहेगी। वन टाइम रजिस्ट्रेशन संबंधी कार्य नेशनल पोर्टल पर 30 जुलाई 2025 से पूर्व करना अनिवार्य है। यह कार्य समस्त स्कूलों व महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों और छात्रावास अध्यक्षों द्वारा कराया जाना है। स्वयं विद्यार्थी भी इस कार्य को कर सकते हैं।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व तीन महीने के लिए बंद

मानसून में टाइगर रिजर्व में शिकारियों की घुसपैठ रोकने ऑपरेशन प्रारंभ

- तीन महीने तक प्रबंधन हाई अलर्ट, बाघों सहित जंगली जानवरों से आबाद है जंगल
- शिकारियों से बचाव को सुरक्षा चाक-चौबंद 35 वॉच टॉवर और 40 पेट्रोलिंग कैंप से 300 से अधिक वनकर्मी रख रहे शिकारियों पर अपनी नजर

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

23से 25 बाघों सहित अन्य जंगली जानवरों से आबाद वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में मानसून सीजन में 1 जुलाई से 30 सितंबर तक पर्यटन के लिए बंद होने के बाद अब जंगल और वन्य प्राणियों सुरक्षा के लिए ऑपरेशन मानसून चलाया जा रहा है। जंगल के चप्पे-चप्पे पर विभाग के अधिकारी, कर्मचारी नजर बनाए हुए हैं। संवेदनशील इलाकों की निगरानी की जा रही है। चूंकि बारिश के कारण मार्ग जर्जर हो जाते हैं और जंगल में घनी झाड़ियां बढ़ जाती। दुर्गम स्थानों पर वाहनों से नहीं जाया जा सकता है। इस स्थिति में वन्य प्राणियों के शिकार, अवैध कटाई, अतिक्रमण और अवैध चराई की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही शिकारियों का भी खतरा रहता है। इसलिए रिजर्व में वन्य प्राणियों और उनके आवास की सुरक्षा के लिए प्रबंधन के द्वारा ऑपरेशन मानसून 30 सितंबर तक चलाया जाएगा। जिससे जंगल में बाहरी और शिकारियों की घुसपैठ को रोका जाएगा। बता दें कि टाइगर रिजर्व व नौरादेही अभ्यारण्य शुरू से ही शिकारियों व लकड़ी तस्करों के निशाने पर रहा है। अभ्यारण्य के भीतर इस तरह की गतिविधियां संचालित होने के मामले आए दिन सामने आ जाते हैं। बीते 7 सालों में बाघों का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। साथ ही अन्य जानवरों की भी संख्या बढ़ गई है, इसलिए

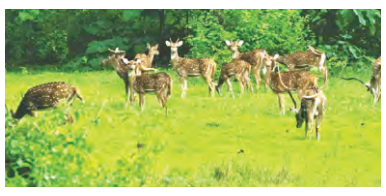

माफिया सक्रिय होने की आशंका

बताया गया है कि मानसून में तीन माह के लिए पर्यटकों के लिए रिजर्व बंद होने के कारण माफियाओं की सक्रिय होने की आशंका अधिक होती है। इसलिए अब पूरे क्षेत्र में वनकर्मी पैदल गश्ती कर रहे हैं। जल्द ही दुर्गम व घने वन क्षेत्र में हाथी पर सवार होकर और ड्रोन के सहारे निगरानी शुरू की जाएगी। रिजर्व क्षेत्र में हर बीट में गश्ती जारी रहेगी दिन में पैदल व हाथी से गश्ती की जाएगी। इसके अलावा रात में भी अमला नजर रखेगा। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से भी पर नजर रखी जाएगी।

ग्रामीण हिस्सों पर ज्यादा फोकस

जंगल से लगे हुए ग्रामीण हिस्सों पर नजर रखी जाएगी और ग्रामीण क्षेत्रों में डेरा जमा कर रहने वालों से पूछताछ की जाएगी। इस काम में सुरक्षा श्रमिकों के अलावा दन विभाग का अमला भी अहम भूमिका निभाएगा। डिप्टी डायरेक्टर एए अंसारी ने बताया कि नौरादेही वन मंडल में 40 पेट्रोलिंग कैंप तैयार किए गए हैं। आंतरिक इलाकों में कच्चे रास्तों से वाहनों की आवाजाही बंद हो जाती है। इस दौरान पेट्रोलिंग कैंप के कर्मचारी ही सुरक्षा संभालते हैं। गस्ती के लिए सभी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं।

जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए और अधिक सख्ती कर दी गई है। पूरे स्टाफ को हाई अलर्ट पर रखा गया है। रात में भी निगरानी की जा रही है300 से अधिक कर्मचारी जगह- जगह पर तैनात किए गए हैं। अभी तक यहां पर हाथी दल वाहन गश्ती सहित 165 अधिकारी कर्मचारी थे, अब इनकी संख्या 300 के आसपास हो गई है, लेकिन बारिश होने की वजह से ना हाथी दल जंगल के अंदर जा पा रहा है और ना ही वाहन जा पाते हैं और विजिबिलिटी भी कम हो जाती है, इसलिए कर्मचारियों की संख्या को बढ़ाया गया है

650 कैमरों से हो रही निगरानी

टाइगर रिजर्व के भीतर 650 से अधिक ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से हर मूवमेंट की निगरानी की जा रही है। इसके अलावा क्षेत्र में 35 वॉच टॉवर, 40 पेट्रोलिंग कैंप और 300 से अधिक सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। गश्त के लिए टीमें दिन और रात ड्यूटी पर हैं संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा और चौकसी को विशेष रूप से बढ़ाया गया है। रिजर्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा नौरादेही क्षेत्र है, जहां सबसे अधिक सुरक्षा संसाधन लगाए गए हैं। यहां 35 वॉच टॉवर, 650 ट्रैप कैमरे, करीब 40 पेट्रोलिंग कैंप और एक हाथी कैंप के साथ 300 से अधिक सुरक्षाकर्मी लगातार निगरानी में जुटे हैं।

इनका कहना है

डीएफओ डॉ. एए अंसारी ने बताया कि मानसून के सीजन में वन्यजीवों के शिकार व विजिबिलिटी कम हो जाती है। झाड़ियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में वन्य प्राणियों की सुरक्षा करना जरूरी होता है। इसीलिए गश्ती दल बढ़ाकर सतर्कता बरती जा रही है। रिजर्व में अगर अवैध गतिविधियां मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी हालांकि कुछ क्षेत्रों में इंतजाम और बेहतर किए जाने की जरूरत है

तीन माह का एकमुश्त राशन अब सात तक लेने की सुविधा

सिरोंज। विदिशा मानसून अवधि मे राशन सामग्री के परिवहन, भंडारण एवं वितरण में आने वाली समस्याओं के निराकरण एवं पात्र परिवारों को समय-सीमा में राशन उपलब्ध कराने हेतु तीन माह जून, जुलाई एवं अगस्त 2025 का एकमुश्त राशन वितरण की अवधि बढ़ाई गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल तंतुवाय ने बताया कि ऐसे पात्रता धारक जो अब तक तीन माह का राशन उचित मूल्य दुकान से प्राप्त नहीं किए हैं उन सब को बढ़ी हुई नवीन तिथि सात जुलाई तक प्राप्त कर सकेंगे। उक्त संबंध मे निर्धारित अवधि मे आवंटन अनुसार दुकान पर सामग्री का प्रदाय एवं सभी पात्र परिवारो को राशन वितरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा इसके उपरांत वितरण की अवधि नहीं बढ़ाई जा सकेगी। जिले के सभी पात्र हितग्राहियो से अनुरोध है कि उक्त नियत समयावधि में अपनी राशन सामग्री आवश्यक रूप से प्राप्त कर ले ।

रचनात्मक आभूषण बनाने का प्रशिक्षण

सिरोंज। विदिशा भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में रचनात्मक आभूषण बनाने की प्रक्रियाओं से प्रशिक्षित करने हेतु 6 जुलाई से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 14 दिवसीय उक्त प्रशिक्षण के दरमियान आरसेटी निःशुल्क भोजन एवं आवास सुविधा सहित प्रशिक्षण पूर्णतः निशुल्क प्रदान किया जाएगा। संस्थान के अनुभवी मास्टर ट्रेनर के माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्ति उपरांत हितग्राही अपना स्वयं का रोजगार उद्यम शुरू करने के समाधान के लिए ऋण सुविधा हेतु आरसेटी द्वारा प्रयास किया जाता है। आरसेटी के निदेशक ने बताया कि 18 से 45 वर्ष की आयु के ग्रामीण बेरोजगार युवा जो पढ़ लिख सकते है, आरसेटी में प्रशिक्षण प्राप्त करने के पात्र है। प्रशिक्षण हेतु इच्छुक युवक / युवतियों का विदिशा जिले का मूलनिवासी अनिवार्य है। आवश्यक दस्तावेज 04 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, (बीपीएल) राशन कार्ड, समग्र आईडी, राशन पर्ची ध् जॉब कार्ड, बैंक पासबुक, मार्कशीट मूल एवं प्रतिलिपि लाना अनिवार्य है। ततसंबंध में अन्य जानकारी एवं प्रशिक्षण प्राप्ति के इच्छुक युवक, युवतियां कार्यालय के मो. नंबर पर 9009291572, 7987497628, 9993147533 संपर्क कर सकते हैं।

गाबा में तोड़ा था ऑस्ट्रेलिया का घमंड...

अब एजबेस्टन में टूटेगा इंग्लैंड का गुरूर! ऐतिहासिक जीत से 7 विकेट दूर टीम इंडिया

बर्मिंघम, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने जीत की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। मुकाबले में चौथे दिन (5 जुलाई) स्टम्प तक इंग्लैंड ने टारगेट का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट खोकर 72 रन बना लिए थे। इंग्लैंड की टीम जीत से अब भी 536 रन दूर है। यानी उसका जीत हासिल कर पाना बेहद मुश्किल है। उधर भारतीय टीम को ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के लिए केवल 7 विकेट की दरकार है।

वैसे भी मैच की चौथी पारी में बल्लेबाजी करना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होता। टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा चेज करने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के नाम है, जिसने मई 2003 में सेंट जोन्स टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 418 रनों के टारगेट को सात विकेट खोकर हासिल कर लिया था। यानी इंग्लैंड को मैच जीतने के लिए चेज में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम करना होगा, जो मौजूदा हालात में शायद मुमकिन नहीं दिख रहा है। इंग्लैंड की टीम चेज में जैक क्राउली, बेन डकेट और जो रूट जैसे धुरंधर बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी है, जिसने भारत के पक्ष में काफी हद तक मैच को झुका दिया है। अब मेजबान टीम की सारी उम्मीदें कप्तान बेन स्टोक्स, जेमी स्मिथ, ओली पोप और हैरी ब्रूक जैसे बल्लेबाजों पर टिकी हैं। इंग्लिश टीम मैच ड्रॉ भी करा ले, तो यह बड़ी उपलब्धि होगी। हालांकि इसके लिए मेजबान टीम के बल्लेबाजों को मोहम्मद सिराज और आकाश दीप की कहर बरपाती गेंदों से निपटना होगा।

खत्म होगा 58 सालों का सूखा, इंग्लैंड का टूटेगा घमंड

भारतीय टीम ने अब तक एजबेस्टन के मैदान पर टेस्ट जीत हासिल नहीं की है। यह सूखा 58 सालों से चला आ रहा है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ जो पिछले 8 टेस्ट मैच खेले थे, उसमें से 7 में उसे हार का सामना करना पड़ा। जबकि एक मुकाबला ड्रॉ पर छूटा था। अब भारतीय टीम यदि आज जीत हासिल करती है तो वो इतिहास रच देगी। शुभमन ब्रिगेड आज एजबेस्टन के मैदान पर जीत हासिल करती है, तो यह टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए बेहद खास पल होगा। यह जीत जनवरी 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर मिली जीत से कम नहीं होगा। तब अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम ने कंगारुओं को 3 विकेट से पराजित किया था। उस जीत के बाद पूरी दुनिया ने भारतीय टीम के जज्बे को सलाम किया था। चूंकि 32 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को गाबा में टेस्ट क्रिकेट में हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में ऐसा करना बनता भी था। गाबा टेस्ट में युवा खिलाड़ियों ऋषभ पंत, वॉशिंगटन सुंदर, शुभमन गिल और शार्दुल ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन करके भारत को जीत की मंजिल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। अब साल 2025 में शुभन गिल की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों की नई फौज एक बार फिर से वैसा ही कारनामा दोहराने की कगार पर है। शुभमन ने एजबेस्टन टेस्ट मैच में भारत की दोनों पारियों में शतक लगाकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

भारतीय टीम ने हासिल की ये उपलब्धि

एजबेस्टन टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने दोनों पारियों को मिलाकर 1014 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ, जब भारतीय टीम ने दोनों पारियों को मिलाकर 1000 रनों का आंकड़ा पार किया। भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में चौथी पारी में इससे बड़ा टारगेट सिर्फ एक बार दिया। साल 2009 में वेलिंगटन में उसने न्यूजीलैंड के सामने 616 रनों का टारगेट सेट किया था। वहीं इंग्लैंड को उसकी घरेलू जमीन पर इससे बड़ा टारगेट सिर्फ एक बार मिला। साल 1934 में ओवल टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 707 रनों का टारगेट दिया था।

विंबलडन: आंद्रे रूबलेव राउंड ऑफ 16 में पहुंचे-

फ्रिट्ज ने भी थर्ड राउंड का मैच जीता विमेंस सिंगल्स में मेडिसन कीस बाहर

लंदन, एजेंसी

विंबलडन के थर्ड राउंड में आंद्रे रूबलेव ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उन्होंने एड्रियन मन्नारिनो को सीधे सेट में हराकर अगले राउंड में पहुंचे। वहीं विमेंस सिंगल्स छठी सीड मैडिसन कीस को उन्हें जर्मनी की सिगमंड ने हराकर बाहर कर दिया। मेंस सिंगल्स में फ्रिट्ज जीते रूबलेव ने फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो को 7-5, 6-2, 6-3 के अंतर से हराया। मेंस सिंगल्स में रूबलेव के अलावा अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज, इंग्लैंड के कैमरन नोरी, ऑस्ट्रेलिया के लुसियानो डारडेरी, पोलैंड के कामिल माचजैक और चीली के निकोलस जेरी को भी जीत मिली। सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। यह मुकाबले रविवार से खेले जाएंगे।

मेंस डबल्स में जीती टॉप सीड जोड़ी मेंस डबल्स में नंबर-1 सीड मासेलों अरेवालो और मैट पैविक की जोड़ी ने अगले राउंड में जगह बना ली। दोनों ने स्पेन के जौम मुनार और पेड्रो मार्टिनेज की जोड़ी को हराया। दूसरी सीड हेनरी पैटन और हैरी हेलोवारा की जोड़ी ने भी अगले राउंड में जगह बना ली। विमेंस सिंगल्स में मैडिसन कीस बाहर विमेंस सिंगल्स में अमेरिका

से छठी सीड मैडिसन कीस को उलटफेर का शिकार होना पड़ा। उन्हें जर्मनी की सिगमंड ने सीधे सेट में 6-3, 6-3 से हराकर बाहर कर दिया। सिगमंड के अलावा चेक रिपब्लिक की लिंडा नोस्कोवा, इंग्लैंड की सोनाय कार्टल, अमेरिका की अनांडा अनिसिमोवा और अर्जेंटीना की सोलाना सिएरा को भी जीत मिली। सभी ने अगले राउंड में जगह बना ली हैं।

छठी सीड मैडिसन कीस को हार का सामना करना पड़ा

विमेंस डबल्स में भी टॉप सीड को सफलता विमेंस डबल्स में भी शुक्रवार को टॉप सीड टेलर टाउनसेंड और कैटरिना सिनियाकोवा की जोड़ी को सफलता मिली। दोनों ने मैकार्टिनी केसलर और क्लारा टौसन की जोड़ी को सीधे सेट में हरा दिया। वहीं तीसरी सीड इटली की जासमीन पाओलिनी और सारा ईरानी को हार का सामना करना पड़ गया।आर्यना सबालेंका चौथे राउंड में पहुंची ब्रिटिश नंबर एक खिलाड़ी एम्मा राडुकानु विंबलडन से बाहर हो गई हैं। उन्होंने सेंटर कोर्ट पर तीसरे राउंड में टॉप सीड आर्यना सबालेंका 7-6 (8-6), 6-4 से हार मिली।-

सबालेंका ने स्थानीय दावेदार राडुकानु को दी शिकस्त

शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका ने विम्बलडन में स्थानीय दावेदार एम्मा राडुकानु के शानदार सफर को विम्बलडन में 7-6(6) 6-4 की जीत के साथ रोक दिया। ऑल इंग्लैंड क्लब में दो बार की सेमीफाइनलिस्ट सबालेंका ने शुक्रवार रात को दोनों सेटों में 2021 यूएस ओपन चैंपियन के खिलाफ जोरदार वापसी की। राडुकानु 18 साल की उम्र में यूएस ओपन में एक क्वालीफायर के रूप में अपने खिताब के बाद से अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेल रही थीं। राडुकानु 74 मिनट के पहले सेट में एक समय 4-2 से आगे थी लेकिन सबालेंका ने अगले 12 में से 11 अंक हासिल कर 5-4 की बढ़त बना ली। राडुकानु इसके बाद टाईब्रेकर में भी 6-5 से आगे थी लेकिन सबालेंका ने शानदार वापसी कर अंतिम तीन अंक को जीत कर बढ़त कायम की। तीन बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका ने इसके बाद दूसरे सेट में ब्रिटेन की खिलाड़ी को ज्यादा मौके नहीं दिये। सबालेंका पिछले लगातार तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचीं, जिसमें उन्होंने पिछले साल सितंबर में यूएस ओपन जीता था। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मैडिसन कीज़ से और जून में फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ से हार कर उपविजेता रही थी।

श्रीकांत शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन को हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में

कैलगरी। भारत के किदाम्बी श्रीकांत ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोऊ टिएन चेन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता और इस साल मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने शुक्रवार रात को 43 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चेन को 21-18, 21-9 से हराया। वर्तमान में विश्व में 49वें स्थान पर काबिज श्रीकांत का फाइनल में जगह बनाने के लिए अब जापान के तीसरे वरीय केंटा निशिमोटो से मुकाबला होगा। इससे पहले 2022 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने 79 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में निशिमोटो से 15-21 21-5 17-21 से हारने से पहले उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की।

गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता, अमेरिकी प्लेयर को 36 चालों में मात दी

जाग्रेब। क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने रैपिड खिताब जीत लिया है। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा है और गुकेश ने रैपिड फॉर्मेट में 18 में से 14 पॉइंट अर्जित करके खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने आखिरी राउंड में अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर रैपिड खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने टूर्नामेंट में 9 मुकाबलों में से 6 में जीत हासिल की, 2 ड्रॉ रहे और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा

टूर्नामेंट में पहला मुकाबला हार गए थे गुकेश गुकेश को टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में पोलैंड के जान-क्रिस्टॉफ डूडा ने 59 चालों में मात दी

थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और भारत के प्रगनानंद को हराया। गुकेश ने टूर्नामेंट के चौथे राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और पांचवें राउंड में अमेरिका के फेबियानो कारुआना को हराया था। छठे राउंड में गुकेश का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हुआ, जिसमें भारतीय ग्रैंडमास्टर ने जीत हासिल की। गुकेश ने कार्लसन को एक महीने के अंदर दूसरी बार हराया है। गुकेश ने कार्लसन को 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में भी हराया था। तीसरे दिन दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे टूर्नामेंट के तीसरे दिन (4 जुलाई) गुकेश के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे।

रिंकी ने किया रिएक्ट

पंचायत में राजनीति की वजह से फीकी पड़ी सादगी की चमक?

पंचायत एक ऐसी सीरीज है जिसकी दीवानगी फैंस के बीच बहुत ज्यादा है। इस शो के अभी तक चार सीजन आ चुके हैं जो सभी हिट रहे। पंचायत की कहानी हर सीजन आगे बढ़ती रही। मगर चौथे सीजन में लोगों की शिकायतें काफी ज्यादा रहीं। पहले तो फुलेरा गांव की सियासत में बड़ा उलटफेर आया। फिर पॉलिटिक्स के कारण सीरीज के किरदारों में उन्हें सादगी की कमी महसूस हुई। अब पंचायत की रिंकी एक्ट्रेस सांविका ने इसपर अपनी बात रखी है।

पंचायत सीरीज जब रिलीज हुई थी, तब फैंस इसकी सादगी और रियल लाइफ कहानी से काफी कनेक्ट कर पाए थे। मगर जैसे-जैसे इसकी कहानी आगे बढ़ी, ऑडियंस को किरदारों के बीच सादगी में कमी महसूस हुई। ऐसे में रिंकी यानी सांविका का कहना है कि सीरीज में पॉलिटिक्स के कारण किरदारों के बीच सादगी कम नहीं हुई है। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नहीं लगता है। भले ही मेन किरदार आपस में लड़ाई कर रहे हैं। मगर जब किसी को भी जरूरत पड़ती है, तब सामने वाली टीम के लोग भी साथ आकर उन्हें सपोर्ट करते हैं। तो मुझे लगता है कि आज भी गांव में, भले ही कोई विपक्ष में हो या एक-दूसरे से नफरत करते हों। मगर जब भी कोई मुसीबत आती है या किसी इंसान को कोई जरूरत होती है। कोई फर्क नहीं पड़ता अगर वो एक-दूसरे से नफरत भी करते होंगे लेकिन उनके पास जाएंगे और मदद करेंगे। तो वो सादगी कहीं गायब नहीं हुई है। ये ठीक वैसा ही है जैसे लोगों के सामने अभी जो परिस्थितियां हैं जैसे राजनीति, उसके सामने मास्क लगा दिया गया हो। लेकिन अगर हम सादगी की बात करेंगे, तो मुझे लगता है कि वो अभी भी मौजूद है।

पंचायत में क्या दिखेगी सचीव जी-रिंकी की लव स्टोरी?

पंचायत के नए सीजन में सचीव जी और रिंकी की लव स्टोरी एक कदम और आगे बढ़ती नजर आती है। पहले जहां दोनों के बीच सिर्फ प्यार का इकरार था, वहीं अब प्यार का इजहार भी हो गया है। लेकिन उनकी लव स्टोरी को इस सीजन उतना नहीं दिखाया गया जितनी उम्मीद की जा रही थी। एक इंटरव्यू में सचीव जी का किरदार निभाने वाले एक्टर जितेंद्र कुमार से जब पूछा गया कि आखिर कब वो रिंकी को प्रपोज करने वाले हैं, तो उन्हें भी इसका जवाब नहीं पता था। अब देखना होगा कि क्या मेकर्स पांचवे सीजन में दोनों के प्यार की गाड़ी को आगे बढ़ाएंगे या फैंस को थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

इंडिया में बैन के बावजूद यूट्यूब पर स्ट्रीम हुए पॉपुलर पाकिस्तानी ड्रामा

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर पूरी तरह से बैन लगा दिया था। इसमें वहां के एक्टर्स के सीरियल्स भी शामिल थे जो इंडिया में काफी पॉपुलर थे। हालांकि बैन के करीब 2 महीने बाद अब पाकिस्तान के कुछ ड्रामा सीरियल्स दोबारा इंडिया में देखे जा रहे हैं। ये सीरियल्स यूट्यूब पर आसानी से स्ट्रीम किए जा रहे हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तान के कई एक्टर्स, क्रिकेटर्स

की इंस्टाग्राम अकाउंट को इंडिया में हमेशा के लिए बैन कर दिया था। हालांकि कुछ समय पहले मावरा होकेन, दानिश तैमूर, सबा कमर जैसे एक्टर्स के अकाउंट्स वापस इंस्टाग्राम पर इंडिया में नजर आए। लेकिन बिना देरी किए उनके अकाउंट के खिलाफ दोबारा एक्शन लिया गया। ऐसा बताया गया था कि इन एक्टर्स के अकाउंट तकनीकी खराबी के चलते दिखाई दिए हैं। अब इंस्टाग्राम अकाउंट दिखने के बाद पाकिस्तान के कुछ पॉपुलर ड्रामा सीरियल्स भी इंडिया में नजर आ रहे हैं। कभी हम कभी तुम, मेरे हमसफर, सुनो चंदा जैसे सीरियल्स बैन के बावजूद इंडिया में यूट्यूब पर देखे जा सकते हैं।

नसीरुद्दीन शाह का दावा

दिलजीत दोसांझ के सपोर्ट में लिखी पोस्ट को फेसबुक ने किया रिमूव

एक्टर दिलजीत दोसांझ इन दिनों विवादों से घिरे हैं। दरअसल, फिल्म सरदार जी 3 में दिलजीत पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आए। जिसके बाद ट्रोल्स ने उन्हें घेरा। यहां तक कि फिल्म इंडिया में रिलीज नहीं की गई। साथ ही बॉर्डर 2 से भी दिलजीत को हटाने की मांग FWICE ने की थी, लेकिन अब मामला सॉल्व हो चुका है।

इस बीच हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की थी, जिसमें उन्होंने दिलजीत को अपना सपोर्ट दिखाया था। पर वो पोस्ट रिमूव कर दी गई है। नसीरुद्दीन पर भी काफी लोग भड़के हैं। एक्टर को आलोचना का सामना करना पड़ा है। लोग कयास लगाने लगे थे कि नसीरुद्दीन ने खुद इस पोस्ट को डिलीट किया। अब एक्टर ने खुद इसकी सच्चाई बताई है। एक आर्टिकल के मुताबिक एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने उन्हें बताया कि वो

पोस्ट उन्होंने डिलीट नहीं की, बल्कि उसे फेसबुक की तरफ से ही रिमूव कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि उनकी पोस्ट पर आए लोगों के रिएक्शन से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है।

नसीरुद्दीन शाह ने क्या लिखा था?

दरअसल, नसीरुद्दीन शाह ने फेसबुक पर दिलजीत का सपोर्ट करते हुए लिखा था, मैं दिलजीत के साथ खड़ा हूं। जुमला पार्टी की गंदी चालें चलाने वाला डिपार्टमेंट लंबे टाइम से उन्हें निशाना बनाने का मौका तलाश रहा था और उन्हें मौका मिल गया। फिल्म की कास्टिंग का फैसला दिलजीत का नहीं था। वह डायरेक्टर का था। लेकिन डायरेक्टर को कोई नहीं जानता, जबकि दिलजीत पूरी दुनिया में जाना जाता है।
ये गुंडे भारत और पाकिस्तान के लोगों के बीच संबंध खत्म करना चाहते हैं। मेरे कुछ करीबी रिश्तेदार और दोस्त वहां हैं, और मुझे उनसे मिलने से कोई नहीं रोक सकता। और जो लोग मुझसे कहेंगे पाकिस्तान जाओ, तो मेरा जवाब होगा तुम कैलाश जाओ...

वार्ड कार्यालय परिसर में जलाए 500 तिरंगे, प्रकरण दर्ज

एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचे कांग्रेस नेता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नगर निगम के वार्ड-50 कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज जलाने का मामला सामने आने के बाद काफी देर सनसनी मची रही। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल रहा। वायरल वीडियो में बड़ी संख्या में तिरंगे झंडों को आग के हवाले कर

दिया गया। तभी एक युवक की इस पर नजर पड़ गई। उसने तुरंत तिरंगों को जलती आग से बाहर निकाला। यह देख पास खड़े वार्ड प्रभारी ने युवक से तिरंगे छीनने का प्रयास किया। इस मामले में कांग्रेस ने प्रदर्शन भी किया। जबकि वार्ड प्रभारी ने इस मामले में थाने में एफआईआर के लिए आवेदन दिया है। आवेदन जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

दरअसल गत दिवस एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें नगर निगम के वार्ड-50 ई-8 दानापानी रोड स्थित वार्ड कार्यालय के पीछे रोहित नगर में राष्ट्रीय ध्वज जलते नजर आए। तभी एक युवक मौके पर पहुंचा और उसने आग से जलते हुए तिरंगे बाहर निकाले। तभी वार्ड प्रभारी विजेन्द्र चौहान ने युवक से आग से बाहर निकाले तिरंगे छीनने का प्रयास किया। हालांकि तब तक करीब 500 से अधिक तिरंगे जल चुके थे। इधर निगम ने दावा किया है कि इस घटना में निगम का कोई कर्मचारी शामिल नहीं था।

शासकीय महिला पालीटेक्निक महाविद्यालय
शिवाजी नगर, भोपाल (मध्य प्रदेश)
Government Women's Polytechnic College, Shivaji Nagar, Bhopal (Madhya Pradesh)
Approved by AICTE/COA | Affiliated to R.G.P.V. Bhopal
Admissions Open : Professional Diploma Courses For Girls
10वीं के आधार पर डिप्लोमा प्रथम वर्ष में लड़कियों हेतु कॉलेज लेवल (CLC) से ऑन-द-स्पॉट एडमिशन (ALL INDIA STUDENTS ELIGIBLE)
➠ ट्यूशन फीस रु. 7500/-
➠ AICTE की विभिन्न छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध
➠ On-Campus Hostel facility with all amenities
➠ Wi-fi campus with State-of-the-Art Amenities
➠ Situated at the heart of Bhopal City (Near RKMP Railway Station)
On-the-Spot ADMISSIONS (Every Monday, Wednesday, Friday)
आज ही सम्पर्क करें।
डिप्लोमा करने के बाद –
• B.Tech (द्वितीय वर्ष)/B.Arch में प्रवेश
• Campus Placement से रोजगार
• स्वरोजगार के अवसर
उपलब्ध कोर्सेस एवं सम्पर्क सूत्र:
◆ आर्किटेक्चर एण्ड इंटीरियर डिजाइन (Arid) (NBA Accredited) 9826649225, 9752333909
◆ इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्युनीकेशन इंजीनियरिंग (ETE) (IOT Based Project) 9826460982, 9617564231
◆ मॉडर्न आफिस मैनेजमेन्ट (MOM) 9826265705, 9827260600
G-15171/25
अपने पसंद के कोर्स में एडमिशन के लिए ऊपर दिये नंबरों पर आज ही संपर्क करें या वेबसाइट https://gwpbpl.ac.in विजिट करें।

सहपाठी ने किया दुष्कर्म, पीड़िता ने पीया कीटनाशक

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र में 21 साल की युवती ने कीटनाशक पी लिया। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के बाद उसके स्वास्थ्य में सुधार हुआ और परिजन घर ले आए। करीब एक सप्ताह बाद परिजन को उसने बताया कि उसके साथ कॉलेज में पढ़ने वाला युवक डेढ़ साल से उसका दैहिक शोषण कर रहा था। उसने दोस्त को शादी का कहा तो उसने शादी से इंकार कर दिया। इसी से दुखी होकर उसने कीटनाशक पी लिया था। 21 साल की युवती कॉलेज में पढ़ती है। उसने बताया कि गांव में रहने वाला मनोज रैकवार उसके साथ कॉलेज में पढ़ता है। डेढ़ साल वह शादी का प्रलोभन देकर उससे शारीरिक संबंध बनाता रहा। पुलिस ने रेप का केस दर्ज किया।

टैंकर ने मारी टीआई की कार को टक्कर

भोपाल। निशातपुरा स्थित न्यू जेल पर रोड टूबा कॉलेज के पास पेट्रोल के टैंकर ने थाने जा रहे टीआई उमेश चौहान की कार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद उनकी कार बेकाबू होकर पहले डिवाइडर से टकराई फिर फिर खंभे में जा घुसी। इस हादसे में टीआई उमेश चौहान को सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं, जबकि उनकी कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। हादसे के बाद आरोपी चालक टैंकर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर टैंकर जब्त कर लिया है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

मां की बीमारी से दुखी महिला ने की आत्महत्या

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने दरमियानी रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला अपने मायके बीमार मां की देखभाल के लिए गई थी। फिलहाल कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक शाहजहांनाबाद में रहने वाली नौरीन खान पत्नी फैजान खान (25) गृहणी थीं। करीब पांच पहले उनकी शादी हुई थी। पूर्व में वह एक अस्पताल में रिसेप्शिनिस्ट थीं। शादी करने के बाद नौकरी छोड़ दी। नौरीन के पति एक बाइक शोरूम में हैड मैकेनिक हैं। बताया जा रहा है कि नौरीन की मां कैंसर की बीमारी से पीड़ित हैं। वह सप्ताह में दो से तीन बार तीन साल के बेटे को लेकर मायके जाती थी ताकि मां की देखभाल कर सकें। शुक्रवार की रात वह मां के घर ही रुक गई थी। उन्होंने पति को अगले दिन आने के लिए कहा था। इस बीच पति को रात करीब साढ़े तीन बजे नौरीन के परिजनों ने कॉल कर फांसी लगाने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शनिवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022